

अनुबंध पत्र

यह अनुबंध (आयुक्त/राज्य कार्यक्रम अधिकारी/ प्रमुख अभियंता
/मुख्य कार्यपालन अधिकारी.....) एवं
आत्मज/ आत्मजा/पत्नि/ निवासी
..... के मध्य निम्नानुसार शर्तों पर किया जाता है :-

- (1) यह संविदा नियुक्ति निश्चित समय सीमा (दो वर्ष) के लिये होगी। संविदा पर नियुक्त अभ्यर्थी को पदनाम पर कार्यभार ग्रहण करते समय चिकित्सा प्रमाण पत्र तथा आवश्यक शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची/प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- (2) संविदाकर्मों को निश्चित मासिक मानदेय/पारिश्रमिक (Fix Pay) राशि रु. देय होगा।
- (3) संविदाकर्मों को एक निश्चित कार्य (Assignment) के लिये रखा जाता है।
- (4) संविदा पर नियुक्त संविदाकर्मों की संविदा अवधि पूर्ण होने पर नियुक्ति स्वमेव ही समाप्त मानी जावेगी, संविदा पर नियुक्त अभ्यर्थी को किसी प्रकार का लिखित में कोई सूचना/पत्र नहीं दिया जावेगा।
- (5) संविदाकर्मों द्वारा नियमितीकरण संबंधी कोई दावा प्रस्तुत नहीं कर सकेगा।
- (6) संविदा पर नियुक्त संविदा कर्मों की सेवाएँ निर्धारित अवधि के पूर्व विभाग/नियोक्ता द्वारा एक माह का वेतन देते हुए बिना किसी नोटिस/सूचना के व कारण बताये समाप्त की जा सकेंगी।
- (7) यदि कोई संविदाकर्मों संविदा अवधि के दौरान संविदा नियुक्ति छोड़ना चाहता है, तो उस विभाग/नियोक्ता को 30 दिवस पूर्व नोटिस देना अनिवार्य होगा अथवा एक माह का पारिश्रमिक/मानदेय विभाग में जमा कराना होगा।
- (8) संविदाकर्मों सहाम अधिकारी की पूर्वानुमति/निर्देश के कोई भी सूचना/जानकारी किसी अन्य व्यक्ति अथवा अन्य विभाग को किसी भी माध्यम से नहीं देगा तथा कार्यालयीन गोपनीयता भंग नहीं करेगा।
- (9) संविदाकर्मों का ई.पी.एफ. कटौत ई.पी.एफ. फण्ड मिसलेनियस प्रोविजन्स एक्ट 1952 के प्रावधान के तहत किया जावेगा।
- (10) संविदाकर्मों को वर्ष में केवल 13 दिन के आकस्मिक अवकाश, 03 दिवस के एडिचक अवकाश एवं 15 दिवस के चिकित्सा अवकाश की पात्रता होगी। महिला संविदा कर्मियों को 120 दिवस के प्रसूति अवकाश एवं पुरुष संविदा कर्मों को 15 दिवस के पितृत्व अवकाश की पात्रता मानदेय/पारिश्रमिक सहित होगी। प्रसूति एवं पितृत्व अवकाश प्रथम दो जीवित संतानों तक ही देय होगा।
- (11) संविदा नियुक्ति आदेश जारी होने के 15 दिवस की अवधि में संविदाकर्मों को नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा अन्यथा संविदा नियुक्ति स्वमेव ही समाप्त मानी जावेगी।

परियोजना अधिकारी
परियोजना अधिकारी
म.प्र. राज्य सौजगार गारंटी परिषद
भोपाल (म.प्र.)

- (12) संविदाकर्मी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों को लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा संविदा नियुक्ति बिना कोई कारण बताये समाप्त की जावेगी।
- (13) चयनित अभ्यर्थी उसकी पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण की तिथि से संविदा में माना जावेगा। यदि संविदाकर्मी बिना किसी सूचना/आवेदन के अपने कर्तव्य से लगातार 15 दिवस या इससे अधिक समय तक अनुपस्थित रहता है तो उसकी संविदा नियुक्ति उसकी अनुपस्थिति तिथि से स्वतः समाप्त मानी जावेगी।
- (14) संविदा समाप्ति या किसी प्रकार का कोई विवाद दोनों पक्षों के मध्य उत्पन्न होता है तो विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय एक मात्र आर्बिट्रेटर सचिव पचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का होगा, जो दोनों पक्षों को मान्य/बधनकारी होगा तथा इस विवाद के निराकरण का क्षेत्राधिकार भोपाल होगा। किसी भी पक्ष को ऐसे विवाद के निराकरण के लिये न्यायालय वाधित रहेगा।

हस्ताक्षर


हस्ताक्षर

(संबंधित नियोक्ता का नाम)
पदनाम
सील
फोन नं

(अभ्यर्थी का नाम)
पिता/पति का नाम
पता
मो नं ई-मेल

गवाह

1-हस्ताक्षर
नाम
पिता/पति का नाम
पता
मो.नं. ई-मेल


पश्चिमी प्रदेश
परिचालना अधिकारी
भ.प्र. राज्य राजस्व पार्टी परिषद
भोपाल (म.प्र.)

2-हस्ताक्षर
नाम
पिता/पति का नाम
पता
मो.नं. ई-मेल

6